



॥ संस्कारशक्ति ॥
॥ संस्कारशक्ति कला ॥
॥ कलाशैली ॥

गान्धिव्यक्तित्वात् शतयुगेभ्यो न श्चभ्रंशोऽस्ति



Shanaris

|| जीव ज्ञे की ||
मोहिनी दमया अग्निनी जीवनेरी नी
|| 562 ||



श्रीश्री

॥ कसकानयनशेकी ॥

कलाशैली वाचपुत्र सत्यपेन कलाकृति
॥5624॥



Shringla



॥शान्तिप्रिया॥

अर्धामिनी नयनपुं र कान्त्यपे न कणाकुनि
रामिनी ज्ञानवशीरि नद्युर्धनं कस्त्यपे न
[5626]



॥ कमलानयनशैली ॥
जहाँमिनी मयूरपंश सुभविषाङ्ग सारथ्येन
॥5623॥





Shangrin
www.shangrin.com

अधोनि
शुद्धि व सौन्दर्य
5625